RRB ALP & TECHNICIAN 2024
&
झारखण्ड पुलिस भर्ती
Pilot Batch
(CBT- 1&2)
हरियाणा बैच
सेवक बैच
HISTORY
यूरोपीयों का भारत में आगमन
LIVE 01-05-2024 09:00 AM

यूरोपीय कंपनियो का भारत में आगमन :-

⇒ कोलम्बस स्पेन से भारत के लिए समुन्द्री मार्ग खोजने के लिए चला था
१४९२ ई० में अमेरिका पहुँच गया तथा अमेरिका की खोज हुई।

⇒ भारत में यूरोपीय कंपनीयो के आगमन का क्रम :- पुर्तगाली – डच – अंग्रेज – डेनिश
– फ्रांसिसी

⇒ पुर्तगाली :-

⇒ यूरोपवासियो में सर्वप्रथम पुर्तगाली भारत आए थे। उत्तमाशा अन्तरीप का चक्कर काटते हुए अब्दुल मजीद नामक गुजराती पथ प्रदर्शक की सहायता वास्कोडिगामा 17 May 1498 ई० को कालीकट का प्रसिद्ध बन्दरगाह 'कप्पकडावू' नामक स्थान पर वास्कोडिगामा ने अपना बेड़ा उतारा था।

⇒ स्वागत :- कालीकट (वर्तमान कौझिकोड़) के शासक जमोरिन ने

⇒ भारत से जाते समय वास्कोडिगामा जहाज में भारत से काली मिर्च भरकर ले गया जिस पर उसे 60 गुना का फायदा होता है।

⇒ 1500 ई० में वास्कोडिगामा के बाद दूसरा पुर्तगाली यात्री पेड्रो अल्वेज कैब्राल कालीकट (भारत) में आया।

⇒ 1502 ई० वास्कोडिगामा दूसरी बार भारत आया।

⇒ वास्कोडिगामा ने 1524 ई० में तीसरी बार भारत की यात्रा की थी, यहाँ पर इनकी मृत्यु हो गई इन्हे कोच्चि में दफनाया गया।

⇒ पुर्तगालियों ने 1503 ई० में कोचिन में अपनी पहली व्यापारिक फैक्ट्री की स्थापना की व पहला किला बनवाया

पुर्तगाली वायसराय :-

→ (1505-1509)

⇒ **फ्रांसिस्को-डी-अल्मोड़ा** :- भारत में प्रथम पुर्तगाली वायसराय

⇒ ब्लू वॉटर पॉलिसी (शांत जल की नीति) अपनायी थी।

↳ भारत व व्यापारिक एकाधिकार बनाये रखने के लिए समुन्द्र मार्ग पर नियंत्रण रखना

⇒ <u>अल्फांसो डी अल्बुकर्क</u> :- (1509-1515)

⇒ भारत में पुर्तगाली शक्ति का वास्तविक संस्थापक अल्बुकर्क को माना जाता है जो 1503 ई० में जहाजी बेड़े का नायक बनकर आया था। उसी समय कोचीन में पुर्तगाली के प्रथम दुर्ग का निर्माण करवाया था।

⇒ 1510 ई० में बीजापुर के शासक आदिल शाह से गोवा को छीन लिया।
(यूसुफ)

⇒ अल्बुकर्क ने गोवा में सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाया।

⇒ अल्बुकर्क ने 1511 ई० में दक्षिण-पूर्व एशिया की व्यापारिक मंडी मलक्का व हरमुज पर अपना अधिकार...

⇒ नीनो-डी-कुन्हा :- (1529-1538)

⇒ राजधानी :- कोचीन की जगह गोवा को बनाया।

⇒ पुर्तगालियों ने चाउल, सालसेट, मुम्बई व वेसिन पर अपना अधिकार कर लिया

⇒ दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशो से व्यापार के लिए पुर्तगाली नागपट्टनम (तमिलनाडु) बन्दरगाह का प्रयोग करते थे।

⇒ बंगाल के शासक महमूद शाह ने 1534 ई० में पुर्तगालियो को चटगांव व सतगांव में व्यापारिक फैक्ट्री खोलने की अनुमति दी थी।

⇒ अकबर ने पुर्तगालियों को हुगली में कारखाना स्थापित करने की अनुमति प्रदान की थी।

पुर्तगालियों का भारत में प्रभाव